whether any such proposal or suggestion is being considered or not?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): With regard to Srinagar, we are considering the question of providing facilities there. For the international tourist attraction, however, the decision has not yet been taken to open it to international airlines. In fact, our general thinking is that even if it is open to international traffic, for several years to come, it could be only Air India that may operate there for various reasons.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: I would like to know from the hon. Minister whether there is a proposal to set up a tourist office in Rangoon and whether Government is going to develop Burdwan which is a historical place where Mehrnisha was made captive who was betterly known as Noorjahan, the wife of Mughal Emperor Jehangir, to attract Muslim people from Malaysia and Indonesia.

DR. SAROJINI MAHISHI: There is no such proposal at present.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या यह सच है कि जम्मू क्षेत्र में अनेक सौंदर्य के स्थान हैं जहां पर्यटक बड़ी संख्या में जा सकते हैं, लेकिन तुलनात्मक दृष्टि से उन स्थानों का विकास नहीं किया गया है और यह सच है कि मनाली की ओर जितना ध्यान देना चाहिये था उतना नहीं दिया गया, मंत्री महोदय अभी तक मनाली नहीं गये हैं इस का क्या रहस्य है ?

डा० सरोजिनी महिषी : माननीय सदस्य के पास सम्भवत: ठीक जानकारी नहीं पहुंची है । जम्मू में एक 50 कमरों का बड़ा सुन्दर, मोटल बन गया है, और पतनी टोप में एक यूथ होस्टल बन रहा है जो इस साल के अन्त तक पूरा हो जायगा । और उस के साथ साथ कुल्लू और मनाली में एक यूथ होस्टल है और उस के साथ साथ होट स्प्रिन्ग्स को डेवलप करने की स्कीम है, और चेंजिंग रूम और बाथरूमस बन गये हैं, और गौल्फ क्लब है उस को भी बनाने के लिये काफ़ी प्रयास किया जा रहा है ।

MR. SPEAKER: This Question has very limited scope. I am passing on to the next Question.

ब्रिटिश सहयोग से उद्योग की स्थापना

*545. डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :

श्री सी० के० चन्द्रप्पन :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बरमिंघम वाणिज्य व उद्योग परिषद का प्रतिनिधिमंडल मार्च, 1973 के प्रथम सप्ताह में भारत आया था;

(ख) क्या उक्त प्रतिनिधिमंडल ने ब्रिटिश सहयोग से संयुक्त उद्योग स्थापित करने का प्रस्ताव किया था; और

(ग) उस प्रस्ताव की मोटी रूपरेखा क्या है ?

THE MINISTER OF COMMERCE (PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA): (a) Yes, Sir. A British Mission sponsored by the Birmingham Chamber of Commerce came to India during the first week of March, 1973.

(b) The Government of India are not aware of any precise proposal made by the delegation to set up joint ventures with the British collaboration.

(c) Does not arise.

डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय : अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय ने उत्तर में स्वीकार किया हैं कि इस प्रकार का प्रतिनिधिमंडल मार्च के प्रथम सप्ताह में आया है, और यह भी स्वीकार किया है कि उन से कुछ चर्चा हुई थी लेकिन कोई विशेष प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ । मैं जानना चाहता हूं कि उन से जो चर्चा हुई, उन्होंने जो प्रस्ताव आपके सामने

रखे, क्योंकि उन्होंने अपनी एक प्रैस कानफरेंस में कहा था कि ब्रिटेन के सहयोग से कई उद्योग स्थापित किये जा सकते हैं, मैं जानना चाहता हूं कि उन्होंने सामान्य प्रस्तावों के अलावा कोई विशेष योजना या प्रस्ताव भी आप के सामने रखे हैं? यदि हां, तो वह क्या हैं ?

PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA: Perhaps, the hon. Member is under the impression that the Delegation met the Ministry. It did not meet the Ministry. It was a non-official Delegation and it met some non-official agencies and also some official agencies. It visited Delhi, Bombay and also had talks with the D.G.T.D. authorities, the S.T.C., the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry, etc. They explored the possibilities of areas of joint ventures. So, they made an enquiry and out of the enquiry, some information came up. But no definite proposals have been mooted by them or agreed to by the people who had discussions with them.

डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय : मंत्री महोदय ने कहा कि वह कुछ सरकारी और गैरसरकारी एजेंसियों से मिले हैं। एस टी सी से भी मिले हैं और उन्होंने कई प्रस्ताव दिये हैं, लेकिन कोई विशेष प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है । जो चर्चा मिनिस्ट्री से हुई है वह अखबारों में प्रकाशित हुई है। मैं जानना चाहता हूं कि एस टी सी या दूसरी संस्थाओं से जो चर्चा हुई है क्या उस में किसी निश्चित उद्योग के बारे में कोई संयुक्त प्रस्ताव आया है ?

PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA: I can only inform the hon. Member that in the discussion with the STC and the Promotion of Export Council they enquired about the possibility of some turn-key projects and supply of machinery and plant consultancy service. In the discussion with the Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry they enquired about greater diversification of Indian exports to Britain, if possible, and other non-traditional items, automobile ancillaries, power equipment etc.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: It was reported in the *Hindustan Standard* of 6th of February that the delegation had proposed to the Government the setting up of industries in the engineering sector as well as in power generation sector with British collaboration. May I know what was the proposal of this collaboration?

PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA: I said that they had some exp oratory talks. They are not, strictly speaking, proposals. So, the question of Government's response to these unofficial exploratory talks does not arise at this stage.

SHRI P. G. MAVALANKAR: The Minister has stated that the Birmingham delegation came in an unofficial capacity. May I know at whose instance has this delegation come to India? May I know, further, whether has it got anything to do with any proposal of the British Government or any Commonwealth Agency or was it at the instance of the Birmingham Chamber of Commerce itself?

PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA: They came of their own.

श्री हुकम चन्द कछवाय : माननीय मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में बतलाया कि जो ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल आया था वह बिजली के सामान के उद्योग के लिये पैसा लगाना चाहता है । मैं जानना चाहता हूं कि किन किन उद्योगों में उन्होंने कितना पैसा लगाने की चर्चा की है ? वह बिजली के सामान का कारखाना लगायेंगे या उस का सामान भेजेंगे ?

PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA: I have already said that the talks were exploratory, they were not in the nature of proposals, still less of projects. So, the question of the money value of the investment does not arise at present.